मध्यप्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

चतुर्दश विधान सभा **तृतीय सत्र**

जून- जुलाई, 2014 सत्र

गुरुवार, दिनांक 3 जुलाई, 2014

(12 आषाण, शक संवत् 1936)

[खण्ड- 3] **[अंक- 4]**

मध्यप्रदेश विधान सभा

गुरुवार, दिनांक 3 जुलाई, 2014

(12 आषाढ़, शक संवत् 1936)

विधान सभा पूर्वाह्न 10.33 बजे समवेत हुई.

{अध्यक्ष महोदय (डॉ. सीतासरन शर्मा) पीठासीन हुए.}

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के माननीय सदस्य काले कपड़े पर नारा लिखा हुआ एप्रिन पहनकर सदन में आये.)

नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री (श्री कैलाश विजयवर्गीय) -- अध्यक्ष महोदय, आज हमारे प्रतिपक्ष के साथी बहुत स्मार्ट लग रहे हैं. अच्छे फेशन डिजाइनर से इन्होंने बहुत अच्छी ड्रेस बनवाई है.

10.34 बजे **स्थगन प्रस्ताव**

प्रदेश में व्यावसायिक परीक्षा मंडल में ली जाने वाली परीक्षाओं में अनियमितता के संबंध में स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा. (चर्चा का पुनर्ग्रहण)

अध्यक्ष महोदय -- स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा जारी रहेगी. माननीय मुख्यमंत्री जी. .. (व्यवधान).. कृपया बैठ जायें.

..(व्यवधान)..

मुख्यमंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)-- अध्यक्ष महोदय, कल सदन में स्थगन प्रस्ताव की चर्चा में जो मुद्दे उठाये गये हैं और व्यापम का क्यों गठन हुआ, इसके औचित्य को मैं प्रतिपादित कर रहा हूं और प्रतिपादित करुंगा..

श्री रामनिवास रावत -- अध्यक्ष महोदय, मेरा पाइंट ऑफ ऑर्डर है.

अध्यक्ष महोदय -- मुख्यमंत्री जी, रावत जी पाइंट ऑफ ऑर्डर उठा रहे हैं. (श्री रामनिवास रावत को) आप बोलें.

श्री रामनिवास रावत -- अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करन चाहता हूं कि मध्यप्रदेश विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियम 58 (1) में स्पष्ट दिया हुआ है कि - **जिस समय से स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा प्रारंभ हो, उससे दो घंटे बीत जाने पर, यदि वाद विवाद पहले ही समाप्त न हो चुका हो, तो..**

वन मंत्री (डॉ. गौरीशंकर शेजवार) -- कल आपने दो घण्टे से 4 घण्टे लगा दिये. अब पाइंट ऑफ आर्डर उठा रहे हैं. यह कौन सा तरीका है.

श्री रामनिवास रावत -- डॉ. साहब, आप सुन तो लें. आप सुन लें, बाद में कह लेना.

..(व्यवधान)..

श्री रामनिवास रावत-- गलत बात है, मेरी पूरी बात सुनी जाये.

श्री कमलेश्वर पटेल -- पहले सीबीआई जांच की घोषणा करें.

श्री रामनिवास रावत-- अध्यक्ष जी मेरी पूरी बात आ जाने दें.

वन मंत्री(डॉ. गौरीशंकर शेजवार) --कल आपने हमारे नेता को नहीं सुना, खडे होकर के शोरगुल कर कल नारे लगा रहे थे.

श्री रामनिवास रावत-- अध्यक्ष महोदय, यह क्या तरीका है. बात करने का.

....व्यवधान....

श्रीमती इमरती देवी-- आप हमारी बात नहीं सुनेंगे तो आज भी नारे लगायेंगे.

मंत्री, संसदीय कार्य (डॉ. नरोत्तम मिश्रा)-- अध्यक्ष महोदय, इसके बाद में मेरा भी पाईंट आफ आर्डर है.

श्री रामनिवास रावत-- अध्यक्ष जी मेरी बात आ जाने दें.

डॉ. गौरीशंकर शेजवार-- आप सुन रहे हैं मुख्यमंत्री जी की बात जो हम आपकी बात सुनें, यह कौन सी बात है आपकी ?

....व्यवधान....

श्री कमलेश्वर पटेल-- मुख्यमंत्री जी सीबीआई जांच की घोषणा करें. अध्यक्ष महोदय ,मंत्री जी धमकी दे रहे हैं. मुख्यमंत्री जी का भाषण कई बार सुन चुके हैं.

श्री जितू पटवारी-- शेजवार साहब आप झगड़ा मत करिये, आप ही को इसके बाद मुख्यमंत्री बनना है.

डॉ. नरोत्तम मिश्रा -- अध्यक्ष महोदय, इसके बाद हमारा भी पाईंट आफ आर्डर है उसको भी सुन लें. अगर आप इनको सुने तो हमें भी सुनें.

अध्यक्ष महोदय-- कृपया सभी लोग बैठिये. पाईंट आफ आर्डर आने दें.

श्री केदारनाथ शुक्ल -- अध्यक्ष जी , आसंदी ने जिस मामले में व्यवस्था दे दी है उस पर न व्यवस्था का प्रश्न उठाया जा सकता है न पाईंट आफ आर्डर आ सकता है.

....व्यवधान....

गृह मंत्री (श्री बाबूलाल गौर) -- अध्यक्ष महोदय, मैं भी एक मिनिट बोलना चाहता हूं.

अध्यक्ष महोदय-- मंत्री जी पहले इनका पाईंट आफ आर्डर हो जाये फिर आप बोलियेगा.

श्री केदारनाथ शुक्ल-- अध्यक्ष जी आसंदी की व्यवस्था के विरूद्ध व्यवस्था का प्रश्न आ ही नहीं सकता.

श्री रामनिवास रावत-- मेरा पाईंट आफ आर्डर आ जाये उसके बाद में आप बोल लेना. अभी आप बैठ जाओ.

डॉ. गौरीशंकर शेजवार -- क्यों बैठ जाओ. आसंदी की अवमानना, आसंदी पर आरोप, इतना बड़ा (XX) कभी नहीं हुआ इस सदन में, आप 2 घंटे की बात कर रहे हैं, समय बर्बाद किसने किया. आपने समय बर्वाद किया, यहां पर खडे होकर के आपने मुख्यमंत्री को नहीं सुना यदि आप बैठकर के सुन लेते तो यह स्थिति नहीं आती.आपने समय बर्वाद किया.

श्री बाबूलाल गौर -- अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि माननीय सदस्य की बात को आप सुन लें लेकिन एक अनुरोध है कि कल आपने व्यवस्था दे दी थी कि आप स्थगन प्रस्ताव को जारी रखेंगे. आपकी उस व्यवस्था के खिलाफ पाईंट आफ आर्डर नहीं आ सकता है.

श्री रामनिवास रावत-- मैं व्यवस्था के खिलाफ नहीं हूं. और व्यवस्था का प्रश्न उठाना मेरा विशेषाधिकार है.

मंत्री, उच्च शिक्षा(श्री उमाशंकर गुप्ता) -- अध्यक्ष महोदय, कल इन लोगों के गतिरोध के कारण मुख्यमंत्री जी का भाषण पूरा नहीं हो पाया था. कल क्यों नहीं सुना मुख्यमंत्री जी का भाषण.

श्री रामनिवास रावत--अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न आने दें.

....व्यवधान....

अध्यक्ष महोदय-- कृपया बैठ जायें उनकी बात सुन ले.

श्री रामनिवास रावत-- अध्यक्ष महोदय, (सुश्री कुसुम महदेले के बैठे बैठे बोलने पर)मंत्री का यह कोई तरीका है, इस तरीके से बात करेंगी.

....व्यवधान....

अध्यक्ष महोदय-- कृपया बैठें.

श्री रामनिवास रावत-- मेरा कहना है कि एक बार स्थगन पर चर्चा प्रारंभ हो जाये फिर स्थगन को स्थगित नहीं कर सकते हैं.

(भारतीय जनता पार्टी के एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य अपने अपने स्थान पर खडे होकर बोलने लगे)

....भारी व्यवधान....

अध्यक्ष महोदय-- कृपया बैठ जायें, उनकी बात सुन लेंने दें, फिर आपकी बात को भी सुनेंगे और फिर व्यवस्था देंगे. कृपया बैठ जायें. माननीय रामनिवास जी रावत..

श्री रामनिवास रावत-- अध्यक्ष महोदय, मैंने नियम 51 के संबंध में बताया और यह मेरे पास में कौल एंड शकधर की किताब है इसमें लिखा है .

डॉ. गौरीशंकर शेजवार -- कल यह किताब कहां थी, कल क्यों नहीं पढ़ी आपने, आज क्यों पढ रहे हो. कौल एंड शकधर की किताब कल कहां छिपा कर रखी थी, सदन के नेता के भाषण की कल अवहेलना कर रहे थे. कल कहां गई थी यह किताब, आपने कल क्यों नहीं बताया इसको, अब उसे अच्छे स्थान पर छिपा कर रख लो.

....व्यवधान....

श्री जितू पटवारी -- शेजवार जी इस आयु में इतना गुस्सा ठीक नहीं है. हमें अभी आपसे काफी कुछ सीखना है.

श्री रामनिवास रावत-- सुने तो बता रहा हूं.

श्री उमाशंकर गुप्ता -- कल भाषण क्यों नहीं सुना, वह कौन सा तरीका था.

....व्यवधान....

श्री रामनिवास रावत-- अध्यक्ष महोदय, मेरी व्यवस्था का प्रश्न है . कौल एंड शकधर की किताब स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के संबंध में है.

श्री बाबूलाल गौर -- आसंदी की व्यवस्था के बाद व्यवस्था का प्रश्न नहीं आ सकता. अध्यक्ष जी यह पाईंट आफ आर्डर ही गलत उठा रहे हैं.

श्री रामनिवास रावत -- क्यों नहीं उठा सकते.

श्री सुंदरलाल तिवारी-- गौर साहब सुन तो लो.

श्री बाबूलाल गौर -- बिल्कुल नहीं उठा सकते. अध्यक्ष की रूलिंग हो गई है.

श्री रामनिवास रावत-- अध्यक्ष महोदय ने अनुमति दी है फिर भी नहीं उठा सकते क्या ?

श्री रामनिवास रावत-- अध्यक्ष महोदय ने अनुमति दी है. आप अध्यक्षजी की अनुमति को चैलेन्ज कर रहे हैं. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय-- आप उनको अपनी बात कह लेने दें. फिर आपकी बात भी सुनकर उसका निर्णय करेंगे. संक्षेप में कहें. पहले आप नियम 58 का हवाला दे रहे थे अब आप कौल एंड शकधर पर आ गये.

श्री रामनिवास रावत-- अध्यक्ष महोदय, कौल एंड शकधर की किताब है. कल स्थगन पर चर्चा हो रही थी. इस किताब के पेज 520 पर स्पष्ट दिया है कि ' स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा उसी दिन समाप्त होना चाहिए. (व्यवधान) मेरी पूरी बात नहीं आयी है. माननीय मंत्री...

डॉ नरोत्तम मिश्रा-- अध्यक्ष महोदय, मुझे भी सुन लें. (व्यवधान) इन्होंने आधी बात पढ़ी है. इसके आगे भी कुछ लिखा गया है.

अध्यक्ष महोदय-- आप एक मिनट में अपनी बात कर लें.

श्री रामनिवास रावत-- पेज 620 पर दिया है कि ' स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा प्रारंभ होने से लेकर उस पर चर्चा समाप्त होने तक अध्यक्ष को सभा को स्थगित करने की कोई शक्ति प्राप्त नहीं है. क्योंकि उस समय सभा स्थगन की शक्ति सभा के पास ही होती है. अध्यक्ष प्रस्ताव पर मतदान भी अगली बैठक तक स्थगित नहीं कर सकते चाहे इस संबंध में अध्यक्ष से कोई अनुरोध ही क्यों न किया गया हो. भोजनावकाश के लिए जरुर स्थगित कर सकते हैं. लेकिन प्रस्ताव का उस दिन सभा के स्थगित होने से पहले निपटान करना आवश्यक है.' इसी प्रकार लोकसभा में भी एक स्थगन प्रस्ताव नेता प्रतिपक्ष श्री अटलबिहारी वाजपेयी ने उठाया था.'

अध्यक्ष महोदय-- आपकी बात आ गई. (व्यवधान) आपकी बात पर यहां से व्यवस्था सुनेंगे की नहीं?

डॉ नरोत्तम मिश्रा-- अध्यक्षजी, यह पेज 620 है. इसमें स्पष्ट रुप से उल्लेख है कि-- यह अधिकार अब आपको भी नहीं है, यह अधिकार सदन को है कि यह स्थगन कब तक चलेगा वह पढ़कर सुना रहा हूं. "जिस समय इस प्रस्ताव पर ' कि सभा स्थगित होती है' पर चर्चा चल रही होती है, स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा प्रारंभ होने से लेकर उस पर चर्चा समाप्त होने तक अध्यक्ष को सभा स्थगित करने की कोई शक्ति प्राप्त नहीं है. अब यह शक्ति पूरी सदन के पास में है. सदन इस चर्चा को चाहेगा, उसको करेगा. दूसरा, मैं यह भी पढ़कर सुनाऊंगा. (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय जब ये बोलते हैं तो हम सुनते हैं, हम बोले तो इनको भी सुनना चाहिए. मेरा यह कहना है कि लगातार इस सदन के अंदर इससे पहले भी जो दो घंटे का समय निर्धारित किया है, वह 2 घंटे से अधिक समय तक अकेला विपक्ष ही बोला है. उसके बावजूद भी इनकी सरकार के समय भी स्थगन पर 2-2,3-3 दिन चर्चा हुई है. 4 दिसम्बर 1995 को शिवपुरी जिले की उपजेल में कैदियों के मध्य संघर्ष पर. 6 दिसम्बर 1997 को बस्तर के रायगढ़ में ,10 नवम्बर 1997 और 19 जून 1986 को विभा मिश्रा हत्याकांड पर 2-2, 3-3 दिन स्थगन पर चर्चा हुई है. जो वर्तमान नेता प्रतिपक्ष हैं वे ही उस समय मंत्री थे. उसी समय इस प्रदेश में इसी विधानसभा में 2 दिन तक चर्चा हुई थी. यह सभापति की व्यवस्था है. इसमें भी आप स्पष्ट रुप से पेज नंबर 111 का उल्लेख कर रहे थे उसी को पढ़ लें. उसी में स्पष्ट रुप से चर्चा का उल्लेख किया गया है.

अध्यक्ष महोदय, हमारा कल से आज तक यह कहना है कि चर्चा से पलायन विपक्ष क्यों कर रहा है. माननीय मुख्यमंत्रीजी का भाषण सुनने से क्यों कतरा रहा है.

श्री राम निवास रावत – माननीय अध्यक्ष महोदय, हम चर्चा से पलायन नहीं कर रहे हैं.... (व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय – आपने प्रश्न उठाया है. उसका उत्तर सुनना पड़ेगा.

श्री बाबूलाल गौर – अध्यक्ष महोदय, कल आपने मुख्यमंत्री जी को निर्देश दिया था कि अपना उत्तर प्रस्तुत करें. माननीय मुख्यमंत्री जी अपना पक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं. इस बीच में अवरोध हो गया. धरना हो गया . इसके बाद 15 मिनट के लिए आपने विधान सभा को स्थगित कर दिया. इ सके बाद आपने पुन: विधान सभा को आहुत किया . आहुत करने के बाद ही यहां पर इस प्रकार का अवरोध हुआ है. आपने ही व्यवस्था दी है. कल भी इस पर चर्चा जारी रहेगी. मुख्यमंत्री जी अपना पूरा उद्बोधन देंगे. यह आपका निर्णय था. मुख्यमंत्री जी के वक्तव्य को जारी रखा जाय.....(व्यवधान) ..

श्री रामनिवास रावत – माननीय संसदीय मंत्री जी क्या कल सभा ने स्थगित करने का प्रस्ताव दिया था बता दें....(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय – कृपया सभी लोग बैठ जायें रावत जी आप सुनेंगे नहीं तो काम कैसे होगा.... (व्यवधान)

श्री सत्यदेव कटारे – अध्यक्ष महोदय, क्या हम बीच में बोल सकते हैं. आप इस पर अपनी व्यवस्था दें उसके पहले हमें सुन लें...(व्यवधान)..

श्री कैलाश विजयवर्गीय – माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन में अध्यक्षीय अधिकार सर्वाधिक है. सबसे ज्यादा अधिकार आपको है. आपके अधिकार को कोई चुनौती नहीं दे सकते हैं. लेकिन इस सदन की मान्य परंपरा रही है और यह सदन नियम से ज्यादा परंपरा पर चला है. मध्यप्रदेश की विधान सभा की विशेषता यह है कि यहां पर कई बार नियम नहीं होने के बाद भी, परंपरा है तो हमने उसका पालन किया है. अध्यक्ष महोदय, माननीय रावत जी हमारे विद्वान सदस्य हैं बड़ा अच्छा आपने स्थगन प्रस्ताव रखा है और मैं आपका इस बात के लिए धन्यवाद भी देता हूं. वास्तव में स्थगन की चर्चा के लिए बिल्कुल सही है कि

नियम और प्रक्रिया में दो घंटे का है और लगातार उसके बाद में जब जब सदन ने चाहा 4 घंटे भी चलाया और दो दो दिन तक भी चला है और माननीय नेता प्रतिपक्ष भी उस समय सदस्य थे . मुझे स्मरण है. राजेन्द्र सिंह जी भी सदस्य थे. मैं खुद भी उस समय सदन का सदस्य था. जब दो दिन तक सदन में स्थगन पर चर्चा हो रही थी.

श्री गोपाल भार्गव – 1987 में विभा मिश्रा वाले मामले पर जब वह जल गई थी तो तीन दिन तक चर्चा हुई थी आप देख लें.

श्री कैलाश विजयवर्गीय – मैं आपको यहां पर स्मरण कराना चाहता हूं कि आप भी 1995 में सदस्य थे शिवपुरी की जेल केअंदर जब एक कैदी मौत हुई थी उस समय इसी सदन में दो दिन तक स्थगन पर चर्चा हुई थी और इसीलिए यह कोई नई परंपरा नहीं है. आप यदि मुख्यमंत्री जी का भाषण नहीं सुनना चाहते हैं और स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से इस स्थगन को रोकना चाहते हैं , भाषण को रोकना चाहते हैं तो यह अप्रजातांत्रिक है. मैं यहां पर नियम और परंपरा दोनों की बात कर रहा हूं. मैं बता रहा हूं इस सदन में 4 दिसंबर 1995 में शिवपुरी की उप जेल में कैदियों के मध्य संघर्ष हुआ था. उसमें एक कैदी की मौत हुई थी. दो दिन तक यहां पर सदन में चर्चा हुई थी .मैं भी उस समय सदस्य था. आप भी सदस्य थे उस समय तो यह परंपरा है. आप नियम की बात कर रहे हैं नियम से बड़ी इस विधानसभा में हमेशा परंपरा की बात हुई है हमेशा मध्यप्रदेश की विधान सभा की परंपरा रही है. हमने हमेशा परंपरा का सम्मान किया है. आप यहां परंपरा को तोड़ना चाहते हैं. इसलिए अध्यक्ष महदोय, मेरा निवेदन है कि आप हमारे विद्वान सदस्य हैं. आपने बड़ी विद्वता से अपनी बात को रखा है. इस सदन की गरिमा परंपरा के कारण है. परंपरा को आप कृपया न तोड़ें यही मेरा कहना है.

श्री सुन्दरलाल तिवारी – यह तो आप स्वीकार कर रहे हैं कि नियम नहीं है.

अध्यक्ष महोदय – केवल प्रतिपक्ष के नेता जी एक मिनट में अपनी बात कहेंगे.

श्री सत्यदेव कटारे – अध्यक्ष महदोय, सभी को 5 मिनट दे रहे हैं तो हमें भी 5 मिनट दें नहीं तो एक मिनट में हमें अपनी बात नहीं कहना है.

अध्यक्ष महोदय – नहीं, सभी ने दो दो मिनट में अपनी बातकही है.

श्री सत्यदेव कटारे -- अध्यक्ष महोदय, इस सदन को फिर से गुमराह किया जा रहा है. सदन में यह बताने की कोशिश हो रही है....(व्यवधान..)..

श्री भंवर सिंह शेखावत – अध्यक्ष महोदय यह मुख्यमंत्री जी की बात को सुनना नहीं चाहते हैं और यह सदन भी इनको नहीं सुनना चाहता है. क्यों हम इनकी बात को सुनें.

सुश्री कुसुमसिंह मेहदेले – माननीय मुख्यमंत्री जी को सुनने से कतरा क्यों रहे हैं..(व्यवधान)...

श्री सत्यदेव कटारे --- (X X X)

अध्यक्ष महोदय – यह रिकार्ड नहीं किया जाये.....(व्यवधान)....

(X X X) आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया.

श्री सत्यदेव कटारे - कोई बीच में खड़ा नहीं होगा, अगर टिप्पणी करने के लिए कोई खड़ा होगा तो दिक्कत जाएगी.

अध्यक्ष महोदय - तो उनकी टिप्पणियों का उत्तर मत दीजिए. आप अपनी बात कीजिए.

श्री सत्यदेव कटारे - आप उनको बोलने मत दीजिए.

अध्यक्ष महोदय - नहीं, यह कोई बात नहीं हुई. सदन में सब माननीय सदस्य हैं टीका-टिप्पणियां होती हैं. परन्तु कभी सीधी बात नहीं की जाती है. आप प्रतिपक्ष के नेता हैं कम से कम आप तो परम्पराओं का पालन करें.

श्री सत्यदेव कटारे - अध्यक्ष महोदय, हम किसी को कभी टोकते नहीं हैं. अध्यक्ष महोदय, सदन को यह बताने की कोशिश की जा रही है कि प्रतिपक्ष मुख्यमंत्री जी का उत्तर सुनना नहीं चाहता. अध्यक्ष महोदय, बात ऐसी नहीं है. हम मुख्यमंत्री जी का उत्तर सुनना चाहते हैं और आपसे वायदा कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री जी अगर एक घंटा बोलना चाहते हों तो हम कहेंगे सवा घंटा बोले हम सुनेंगे. अध्यक्ष महोदय, लेकिन हमने जो बोला है उस बीच में, वह समझ लीजिए. हमने बोला कि जो प्रश्न हमने अपने भाषण में उठाए थे, उनका उत्तर मुख्यमंत्री जी बीच-बीच में देते चलें. दूसरा हमने यह निवेदन किया था कि सत्तापक्ष के मुख्यमंत्री नहीं हैं, प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं. सदन के नेता हैं. इतना बड़ा आदमी जब हम पर आरोप लगा रहा है ...

अध्यक्ष महोदय - नहीं, नहीं, आप भाषण नहीं देंगे.

श्री सत्यदेव कटारे - (व्यवधान)...उनकी जांच सीबीआई को सौंपेंगे तब सुनेंगे, बगैर सीबीआई को जांच सौंपे नहीं सुनेंगे.

अध्यक्ष महोदय - आपको भाषण देने के लिए नहीं कहा है. श्री रामनिवास रावत जी..

श्री सत्यदेव कटारे - अध्यक्ष महोदय..

अध्यक्ष महोदय - नहीं, यह बहुत खराब बात है. श्री रामनिवास रावत जी ने जो प्रश्न उठाया था सिर्फ उस पर बात होना चाहिए, कृपा करके...(व्यवधान)..

श्री सत्यदेव कटारे - हमने मांग रखी है.

अध्यक्ष महोदय - आप उनकी बात का उत्तर लेना चाहते हैं? (व्यवधान)..

डॉ. नरोत्तम मिश्रा - अध्यक्ष महोदय, यह तानाशाही नहीं है? एक मुख्यमंत्री को अगर विपक्ष यह कहे कि अगर वह यह नहीं करेगा तो हम नहीं बोलने देंगे, क्या यह तानाशाही नहीं है? क्या आप लोकतंत्र की हत्या नहीं कर रहे है?

श्री विश्वास सारंग - आप डायरेक्शन देंगे कि मुख्यमंत्री जी क्या बोलेंगे, क्या नहीं बोलेंगे? यह कोई तरीका है क्या?

श्री सत्यदेव कटारे - आपने तिवारी जी पर आरोप क्यों लगाया? (व्यवधान)..

डॉ. नरोत्तम मिश्रा - आप लोकतंत्र की हत्या नहीं कर रहे हैं?

अध्यक्ष महोदय - आपको उनकी बात का उत्तर सुनना है कि नहीं सुनना है?

(व्यवधान)..

श्री सत्यदेव कटारे - आपने आरोप लगाए हैं, आप अपनी भी जांच करवाओ, हमारी भी जांच करवाओ. (व्यवधान).. पहले आप जांच करवाओ, उसके बाद सुनेंगे और जांच की घोषणा नहीं करेंगे तो नहीं सुनेंगे. (व्यवधान)...

डॉ. नरोत्तम मिश्रा - विपक्ष विषयांतर करना चाहता है..(व्यवधान)..विपक्ष पाखंड कर रहा है.

अध्यक्ष महोदय - आप सभी कृपा करके बैठ जायं.

श्री सत्यदेव कटारे - सीबीआई से जांच करवाएं.

अध्यक्ष महोदय - मुझे बड़ा खेद है कि आपके ही दल के मुख्य सचेतक ने एक विषय उठाया, उस पर माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी सहित वरिष्ठ मंत्रियों ने अपनी बात उसी विषय पर रखी, माननीय प्रतिपक्ष के नेता जी..

श्री सत्यदेव कटारे - अध्यक्ष महोदय, सीबीआई से...

अध्यक्ष महोदय - नहीं, आप कृपा करके बैठ जाइए. वे भाषण देने लगे, यह बहुत खेदजनक है. यह बात ठीक नहीं है. (व्यवधान)..

श्री सत्यदेव कटारे - (XXX)

अध्यक्ष महोदय - यह बिल्कुल नहीं लिखा जाएगा, माननीय प्रतिपक्ष के नेता जी मेरी अनुमति के बिना बोल रहे हैं यह नहीं लिखा जाएगा.

श्री सत्यदेव कटारे - (XXX)

(XXX) आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया.

अध्यक्ष महोदय - फिर आप पाइंट ऑफ आर्डर उठाते क्यों हैं? यदि आपके दल के लोग ही, आपके नेता ही सुनना नहीं चाहते तो आप पाइंट ऑफ आर्डर मत उठाया करिए.

श्री सत्यदेव कटारे - (XXX)

अध्यक्ष महोदय - यदि पाइंट ऑफ आर्डर आप उठाएंगे, उस पर ही आप नहीं सुनेंगे तो आगे से पाइंट ऑफ आर्डर एलाऊ नहीं होंगे.

श्री कमलेश्वर पटेल - ..(व्यवधान)..अगर कांग्रेस के घोटाले पर चर्चा करना था तो 11 साल से सरकार है क्यों नहीं जांच कराई?

श्री केदारनाथ शुक्ल - अध्यक्ष महोदय, आपकी उदारता का भी अनुचित लाभ ले रहे हैं.

श्री रामनिवास रावत - मेरे पाइंट ऑफ आर्डर का जवाब नहीं आया है. (व्यवधान)..

मुख्यमंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान) - माननीय अध्यक्ष महोदय, इस चर्चा को..

(व्यवधान)...

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के माननीय सदस्य गर्भ गृह में आए और नारेबाजी करने लगे.)

अध्यक्ष महोदय - कृपा करके बैठ जायं.

श्री शिवराज सिंह चौहान - (व्यवधान)..माननीय अध्यक्ष महोदय, एक नाम और है, शरद कुमार द्विवेदी निम्न श्रेणी लिपिक जिनको अध्यक्ष के अमले में शामिल किया गया और 6 महीने बाद उनको दूसरे विभाग में करके यहां से कार्यमुक्त कर दिया गया...

अध्यक्ष महोदय - (व्यवधान)..आपके दल के नेता नहीं मानते.

श्री शिवराज सिंह चौहान - माननीय अध्यक्ष महोदय, (व्यवधान). 6 माह के लिए तदर्थ नियुक्ति हुई और तदर्थ नियुक्ति होने के बाद उनकी सेवाएं जल संसाधन विभाग को सौंपी जाकर दिनांक 5.8.98 को कार्यमुक्त कर दिया गया. उनकी तदर्थ नियुक्ति थी, फिर परमानेंट कर दिये गये.

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अनेक सदस्य गर्भगृह में आकर नारे बाजी करते रहे)

इस प्रदेश को लूटा गया है. (व्यवधान) मनमाने ढंग से नियुक्तियां की गई हैं. इस प्रदेश के लाखों नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया. माननीय अध्यक्ष महोदय,आज अगर में यह सब यहां रख रहा हूं तो केवल इसलिए रख रहा हूं कि इनके समय में जो प्रक्रियाएं और परम्पराएं थीं, मनमानी होती थी, लाखों युवाओं के भविष्य से इनके द्वारा खिलवाड़ किया गया. उसको हमने सुधारने की कोशिश की है. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय—कृपया बैठ जायें , अपना अपना स्थान ग्रहण करें. चर्चा को आगे बढ़ने दें. (व्यवधान)

श्री शिवराज सिंह चौहान – माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी बात सुनी जाय. इस सदन के माध्यम से सारा देश देख रहा है. कांग्रेस इनके काले कारनामे सनना नहीं चाहती.(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय—कृपया बैठ जायें. माननीय उपनेता जी अपने स्थान पर बैठ जायें. कृपया बैठ जायें, अपना अपना स्थान ग्रहण करें. चर्चा को आगे बढ़ाएं. (व्यवधान)

श्री शिवराज सिंह चौहान—(व्यवधान) सत्य को साबित नहीं होने देना चाहते. सत्य को स्थापित नहीं होने देना चाहते. (व्यवधान) ये इनके काले कारनामे सामने नहीं आने देना चाहते. इनके जमाने में जो लूट हुई है उसको प्रगट नहीं होने देना चाहते. पर अब इन लोगों ने सोये हुए शेर को जगा दिया है अब ऐसी बेईमानियां छोड़ी नहीं जाएंगी. (व्यवधान) अब सुनना पड़ेगा. ये देख लो, तिवारी जी, 6 महीने के लिए नियुक्ति करके परमानेन्ट कर गये. लूट लिया , प्रदेश को लूट लिया. (व्यवधान) लूट लिया पूरे प्रदेश को. पूरे प्रदेश को लूटने वाले आज बात कर रहे हैं. इनमें आंखे मिलाने का साहस नहीं है. पूरी बात सुनो. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय—कृपया बैठ जायें. चर्चा पूरी होने दें.

श्री शिवराज सिंह चौहान – माननीय अध्यक्ष महोदय, इनके कारनामे देखिये. मैं सदन को बताना चाहता हूं. माननीय अध्यक्ष महोदय, राजेन्द्र कुमार शुक्ला आत्मज श्री रामनरेश शुक्ला.,राम मनक हरी, पोस्ट परासी, जिला रीवा. जो सन 1988 के पूर्व लोक निर्माण विभाग में कुशल श्रमिक थे , सभी नियम शिथिल करते हुए इनको स्कूल शिक्षा विभाग में संविदा शाला शिक्षक वर्ग-3 में नियुक्त किया जाता है,

मजदूर को मास्टर बना दिया. (व्यवधान) और दिखाऊं, माननीय अध्यक्ष महोदय, रमाशंकर चतुर्वेदी आत्मज श्री बाल्मीक चतुर्वेदी. जो 1988 के पूर्व लोक निर्माण में श्रमिक था उसको समस्त नियम शिथिल करके संविदा शाला शिक्षक वर्ग-3 में नियुक्त किया जाता है. (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, इन्द्रलाल शर्मा , हैण्डपंप मेकेनिक इनको लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से स्कूल शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षक बनाया जाता है.

(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय, अनिल मिश्रा, हितकारिणी शिशु विद्यालय, रीवा, माननीय अध्यक्ष की वित्तीय शक्तियों के लिए 6 माह के लिए 5.4.97 को तदर्थ नियुक्ति अध्यक्ष देते हैं और इसके बाद 22.10.97 को स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षक के पद पर नियुक्ति हेतु कार्यमुक्त कर देते हैं. श्री अमित अवस्थी, उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर यहां रखा और 6 महीने के लिए नियुक्ति दी जाती, फिर परमानेन्ट करके स्कूल शिक्षा विभाग में संविलियन हेतु कार्यमुक्त कर दिया जाता है. माननीय अध्यक्ष महोदय यज्ञनारायण शर्मा, हायर सेकण्डरी, माननीय अध्यक्ष के निजी अमले में 1.11.1997 को नस्ती क्रमांक 3(65)97 पृष्ठ क्रमांक (8) पहले यहां 6 महीने के लिए रखा फिर मुख्यमंत्री से शिक्षा विभाग में सेवाएं संविलियन किए जाने के लिए कार्यमुक्त किया जाता है. सैकड़ों काले कारनामे आपके उजागर हो रहे हैं. इनके काले कारनामे सामने आ रहे हैं और यह नारे लगा रहे हैं. कारनामे सामने आ रहे हैं तो अध्यक्ष महोदय, यह नारे लगा रहे हैं. हिम्मत है तो सामना करो, क्यों नारे लगा रहे हैं.

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यों द्वारा गर्भगृह में नारे लगाए जाते रहे)

अध्यक्ष महोदय—कृपया बैठ जाएं. कृपया अपने अपने स्थान पर बैठ जाएं.

श्री शिवराज सिंह चौहान—यह बात कर रहे थे कि शिवराज सिंह के विकेट को गिराना है, शिवराज सिंह का विकेट क्रिकेट का विकेट नहीं है, अंगद का पांव है. कितने है आ जाओ डिगा नहीं पाओगे. माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं फिर प्रार्थना करना चाहता हूं, मैंने शालीनता के साथ विपक्ष की सारी बातें सुनी हैं. अब मेरे उत्तर को सुना जाय. मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि इन्हें मेरा उत्तर सुनने की हिम्मत नहीं है. यह आरोप लगा रहे हैं कि राष्ट्रीय स्वंय संघ जो देशभक्तों का संघ है, उसके लाखों

कार्यकर्ताओं ने अपनी जिंदगियां झोंकी हैं, त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ रहा है और मैं नाम लेता हूं परम पूज्यनीय सुदर्शन जी, त्याग, तपस्या की प्रतिमूर्ति सुदर्शन जी, जिन्होंने सारा जीवन भारत माता की सेवा के लिए अर्पित कर दिया. तिल तिल करके देश के लिए जिए हैं, उन पर उंगली उठाने का यह साहस कर रहे हैं. सुरेश सोनी जी, पूरा जीवन देश के लिए अर्पित कर दिया, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और देश की सेवा में लगे हुए हैं, यह उन पर आरोप लगा रहे हैं. मैं कहना चाहता हूं कि अगर असत्य आरोप लगेंगे तो जवाब दिया जायगा. निष्कलंक राजभक्तों पर आरोप लगेंगे तो जवाब दिया जायगा, सहन नहीं किया जायगा. इसलिए मेरी प्रार्थना है कि मेरा पूरा भाषण सुना जाय.

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यों द्वारा गर्भगृह में नारे लगाए जाते रहे)

अध्यक्ष महोदय—कृपा करके बैठ जाएं. माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि नारे बाहर लगाएं. यहां बात सुनें. यहां आप चर्चा करने आए हैं, कृपा करके अपने अपने स्थान पर बैठें. माननीय वरिष्ठ सदस्यों से अनुरोध है कि वह अपने दल के नौजवानों को समझाएं.

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यों द्वारा गर्भगृह में नारे लगाए जाते रहे)

श्री शिवराज सिंह चौहान—अध्यक्ष महोदय, आरोप लगाने वाले हैं उनकी भी जांच कराई जाएगी., जांच कराई तो वह खुद जेल में जाएंगे

अध्यक्ष महोदय—विधानसभा की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित.

(11.05 बजे से विधानसभा की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित)

11.20 बजे विधानसभा पुन: समवेत हुई

अध्यक्ष महोदय(डॉ. सीतासरन शर्मा)पीठासीन हुए

अध्यक्ष महोदय-- माननीय मुख्यमंत्री जी.

मुख्यमंत्री(श्री शिवराजसिंह चौहान)—माननीय अध्यक्ष महोदय,मैं निवेदन कर रहा था कि कि कांग्रेस के जमाने में जो भर्तियों में धांधली की जाती थी...

श्री आरिफ अकील—अध्यक्ष महोदय, हम लोगों के माइक चालू करवायें.

अध्यक्ष महोदय-- एक साथ इकट्ठे माइक आन कर देते हैं इसलिए समस्या होती है. एक दो करके देखिये.

संसदीय कार्य मंत्री(डॉ.नरोत्तम मिश्रा)—अध्यक्ष महोदय, माइक चालू है(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय-- एक साथ चार माइक चालू होते हैं. कृपा करके देख लें.

श्री सुन्दरलाल तिवारी-- अध्यक्ष महोदय,माइक बंद है.

एक माननीय सदस्य-- इनके माइक तो पूरे जनता ने बंद कर दिये हैं.

अध्यक्ष महोदय—जिनके माइक चालू हैं उनके नाम डिस्प्ले में आ रहे हैं (व्यवधान) डिस्प्ले में नाम उन्हीं के आ रहे हैं जिनके माइक चालू हैं.कृपया कम माइक चालू करेंगे तो सब के नाम आयेंगे.

श्री शिवराज सिंह चौहान – माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर रहा था कि कांग्रेस की तत्कालीन सरकार के जमाने में मनमाने ढंग से नियुक्तियां की गईं. मनमाने ढंग से पोस्टिंग की गई. लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया गया. मैं आपको उदाहरण गिनाता हूँ, कई नाम मैंने आपको बताये हैं जिनका अनुचित तरीके से व्यापक भ्रष्टाचार के माध्यम से पहले 6 महीने के लिए और बाद में परमानेंट नियुक्ति देने का काम किया है और यह कांग्रेस के राज में तो पैसे लाओ और आर्डर ले जाओ, यह व्यवस्था चलती थी

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यगण अपने आसन पर खड़े होकर नारे लगाने लगे)

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमने उस व्यवस्था को ठीक करने का काम किया. माननीय अध्यक्ष महोदय,पुलिस की भर्तियों में कांग्रेस के जमाने में क्या होता था.

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यगण गर्भगृह में आकर नारे लगाने लगे)

जब पुलिस की भर्तियां होती थीं तो लाखों जो नौजवान हैं जिनको भर्ती के लिए इन्टरव्यू देने के लिए बुलाया जाता था. हफ्तों-हफ्तों तक उनकी नापतौल चलती रहती थीं. सीना कितना है, ऊंचाई कितनी है, गोला फेंक, दौड़, ये सब मेन्युअली होता था. और उसमें गड़बड़ और छेड़छाड़ होती थी. कौन कितना कूदा, हाईजम्प-लांगजम्प उसको नापने वाले लोग होते थे(व्यवधान) पुलिस अधीक्षक स्तर का अधिकारी इस सारी भर्ती की प्रक्रिया को पूरा करता था और सच तो यह है कि इनके मंत्री और मुख्यमंत्री उस भर्ती को

प्रभावित करने का काम करते थे. सूचियां जाती थीं, भर्तियां हो जाती थीं. माननीय अध्यक्ष महोदय, हमने इस प्रक्रिया को बदला(व्यवधान) यह क्या हो रहा है, कैसे बोलें. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय—कृपा करके शांति बनाये रखिये. कृपया स्थगन प्रस्ताव का आप उत्तर सुनिये.माननीय प्रतिपक्ष के नेता जी से और वरिष्ठ सदस्यों से मेरा अनुरोध है कि स्थगन प्रस्ताव आपके आग्रह पर आया है जिसकी आप बहुत दिनों से मांग कर रहे थे . अब उसको परिणाम तक पहुंचाने के लिए और आपने जो प्रश्न उठाये हैं उनके उत्तर की जानकारी के लिए आपको शासन का वक्तव्य सुनना चाहिए. यह बिलकुल अनुचित है कि आप इस तरह से व्यवधान डालकर के उत्तर नहीं सुने, यह बिलकुल अनुचित है. विधानसभा की कार्यवाही आपको इस तरह से बाधित नहीं करना चाहिए.

आप लोग प्वाइंट ऑफ ऑर्डर के उत्तर नहीं सुनते . आप लोग किसी भी चीज के उत्तर नहीं सुनते , आप सब विषय उठाते हैं पर उनके उत्तर नहीं सुनते हैं...(व्यवधान)... अभी कोई चीज की अनुमति नहीं है.माननीय मुख्यमंत्रीजी का जब तक वक्तव्य पूरा नहीं हो जाता तब तक कोई नई बात नहीं उठाई जाएगी. यह डिस्एलाउड है.कृपा करके माननीय मुख्यमंत्री जी अपनी बात जारी रखें. ..(व्यवधान)....

श्री शिवराज सिंह चौहान--- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह उत्तर सुनने से बच रहे हैं , हिम्मत रखो उत्तर सुनने की. आप लोग मुकाबला करो, मुकाबला. माननीय अध्यक्ष महोदय, यह तो प्रतिपक्ष की (XX)है कि उनमें सच सुनने का ही साहस नहीं है, इतना डर है कि एक भाषण नहीं सुन सकते, सदन के नेता का भाषण नहीं सुन सकते. अगर इनमें जरा भी नैतिकता है तो पहले सदन के नेता का भाषण सुनो, आरोपों का उत्तर लो. माननीय अध्यक्ष महोदय, ये जानते हैं कि व्यापम में कोई दम नहीं है, सरकार ने कार्यवाही पूरी कर ली है. कहीं थोड़ी बहुत गड़बड़ हुई थी लेकिन इनके जमाने में तो दाल ही काली थी, हमारे यहाँ थोड़ा बहुत काला मिला तो हमने कार्यवाही करके जेलों में पहुंचा दिया इसलिए इऩको पता है कि अब कुछ बचा ही नहीं है और यह केवल हंगामा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं. इसलिए इस मामले में सारे तथ्य सामने हैं, कुछ बचा ही नहीं है, बताने के लिए...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय--- (गर्भगृह से कांग्रेस पक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा नारे लगाये जाने पर) गर्भगृह से जो नारे लगाये जा रहे हैं यह कार्यवाही में नहीं आएंगे. गर्भगृह से जो कुछ बोला जाएगा वह रिकार्ड में नहीं आएगा.

श्री बाबूलाल गौर---- अध्यक्ष महोदय, क्या इस प्रकार विधानसभा चलेगी?

श्री शिवराज सिंह चौहान--- अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है ,मैंने इनके जवाब , इनके आरोप ध्यान से सुने हैं और यह मेरा हक है, यह अधिकार है कि मैं इनको उत्तर दूं और प्रदेश की जनता को भी यह हक है कि इन्होंने जो निराधार और असत्य आरोप लगाये हैं मुख्यमंत्री उसका उत्तर दें मैं अपने अधिकार का उपयोग करुंगा. अध्यक्ष महोदय, आप इनको शांत कराइए, ऐसे नहीं चलेगा....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय--- सामान्य परंपरा यह है कि सदन के नेताजी और प्रतिपक्ष के नेता जब बोलते हैं तो उसको बाधित नहीं किया जाता. अभी आपके माननीय मुख्य सचेतक जी परंपराओं का हवाला दे रहे थे कृपा कर के इस परंपरा का भी पालन करें. आपकी उठाई बात पर ही यहाँ चर्चा चल रही है. आपने अपनी चर्चा पूरी कर ली, आपने अपने प्रश्न उठा लिये , आपने वह प्रश्न जानने की ,मुख्यमंत्री जी से या सदन के नेताजी से ,शासन से आपने जिज्ञासा भी जाहिर करी है. अब उनका उत्तर भी जानना आपका उतना ही परम कर्तव्य है जितना आपका वह प्रश्न उठाना कर्तव्य था.आपसे अनुरोध है कि आप कृपया अपने स्थान पर बैठें और चर्चायें जारी रहने दें ताकि सदन की कार्यवाही आगे बढ़ सके.

श्री शिवराज सिंह चौहान---- अध्यक्ष महोदय, आरोप निराधार हैं . कोई दम नहीं है और बेकार की बात विपक्ष कर रहा है...(व्यवधान)... कोई भी आरोप लगाएंगे. आप पर जो तथ्य मैंने रखे हैं, मैंने पिछली सरकार पर जो आरोप लगाये हैं वह तथ्यों के साथ लगाये हैं और आप चाहते हैं तो मैं हर हालत में उसकी भी जांच करवाऊँगा.

अध्यक्ष महोदय--- कृपया आप सभी अपने स्थान पर बैठ जाएं, प्रतिपक्ष के नेताजी भी कुछ कहना चाहते हैं और सदन के नेता जी भी. यहाँ से सीधे वाद-विवाद ना करें, यहाँ आसंदी की ओर मुखातिब होकर के बात करें. कृपया पहले उनकी बात हो जाने दें फिर आपको जो बोलना है वह आप बोलना...(व्यवधान).... यह बात ठीक नहीं है ,यह बिल्कुल अनुचित है.

..(व्यवधान)..

डॉ.नरोत्तम मिश्रा-- अध्यक्ष महोदय, ऐसा अकर्मण्य और नाकारा विपक्ष नहीं देखा, ऐसा अकर्मण्य विपक्ष कभी नहीं रहा. जो एक मुख्यमंत्री के भाषण को नहीं सुन रहा है मतलब यह तो नादिरशाही है, ..(व्यवधान)..तानाशाही है...(व्यवधान)...यह लोकतंत्र की हत्या है...(व्यवधान)..यह नादिरशाही नहीं है तो और क्या है? मुख्यमंत्री का भाषण नहीं सुन रहे हैं...(व्यवधान)..यह इस पवित्र सदन के अन्दर विपक्ष लोकतंत्र की हत्या का कुत्सित प्रयास कर रहा है. इससे ज्यादा घृणित बात और कौनसी हो सकती है....(व्यवधान)..इससे ज्यादा निन्दा की बात और कौनसी हो सकती है. अध्यक्ष महोदय, विपक्ष का यह घोर आपत्तिजनक व्यवहार है....(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय-- माननीय सदस्यों से मेरा अनुरोध है कि कृपया अपने स्थान पर बैठें और सभा की कार्यवाही आगे चलने दें. यह आपका भी परम कर्त्तव्य है कि सभा का संचालन और सभा की कार्यवाही सुचारु रूप से हो. इसको वेल में आकर बाधित न करें. चर्चा पूरी होने के पहले आपकी बात मानी जाएगी...(व्यवधान)..किसी विषय की चर्चा होने देंगे कि नहीं होने देंगे?..(व्यवधान)..यह बात बिल्कुल उचित नहीं है. माननीय सदस्यों को जो भी बोलना है अपने स्थान पर बोलें. कोई भी मांग यहाँ से नहीं रखी जाएगी...(व्यवधान)..

श्री बाबूलाल गौर-- कोई आधार नहीं है सी बी आई का...(व्यवधान)..पूरी निष्पक्ष जाँच हो रही है...(व्यवधान)..पूर्व मंत्री जेल में है..(व्यवधान)..डी आई जी जेल में है..(व्यवधान)..संचालक जेल के अन्दर है...(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय-- वेल में आकर के जो कुछ भी बोला जाएगा उसको रिकार्ड में नहीं लिया जाएगा...(व्यवधान)..कृपा करके अपने स्थान पर जाकर के बोलें...(व्यवधान)..माननीय प्रतिपक्ष के नेता जी से और वरिष्ठ सदस्यों से अनुरोध है कि वे सभी सदस्यों को अनुशासित करें...(व्यवधान)...

डॉ.नरोत्तम मिश्रा-- मध्यप्रदेश की जनता ने इनको..(व्यवधान)..मुट्ठी भर कर दिया...(व्यवधान)..

श्री बाबूलाल गौर-- हाईकोर्ट के गाइडेंस में जाँच हो रही है...(व्यवधान)..आपकी प्रार्थना हाईकोर्ट ने रिजेक्ट कर दी...(व्यवधान)..

श्री शिवराज सिंह चौहान-- माननीय अध्यक्ष जी, पहले मेरा पूरा भाषण सुन लें. इसके बाद अगर कोई बात उनके दिमाग में है तब करें. लेकिन पहले मेरा भाषण तो सुनें इसके बाद इनको जो मांग करना हो करें.....(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय-- वे उनके ही माननीय सदस्य के उठाए प्रश्न का उत्तर नहीं सुनना चाहते हैं तो अब उनका क्या करें. वे व्यवस्था के प्रश्नों पर व्यवस्था नहीं सुनना चाहते तो अब क्या किया जा सकता है... (व्यवधान)..मुझे बड़ा खेद है आप लोगों को जो बोलना है कृपया अपने स्थान पर बैठकर बोलिए. यह स्थान नहीं है यहाँ मांग करने का. आप अपने स्थान पर जाइये और वहाँ बोलिए. यह बात ठीक नहीं है... (व्यवधान)..

श्री बाबूलाल गौर-- हाईकोर्ट ने रिट पिटीशन खारिज कर दी कि कोई सी बी आई की इनक्वायरी की आवश्यकता नहीं है...(व्यवधान)..एस टी एफ के द्वारा निष्पक्ष इनक्वायरी हो रही है..(व्यवधान)..हाईकोर्ट की देखरेख में हो रही है...(व्यवधान)..

श्री शिवराज सिंह चौहान-- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी आप से प्रार्थना है मेरा भाषण पूरा करवाया जाए. यह मेरा अधिकार है, यह मुख्यमंत्री का अधिकार है कि अगर आरोप लगाए गए हैं तो उन आरोपों का उत्तर दे. यह मेरा अधिकार है इसलिए मुझे...(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय-- कृपया अपने स्थान पर बैठें...(व्यवधान)..सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि कृपया अपने स्थान पर बैठें...(व्यवधान)..यह बात ठीक नहीं है. कोई भी बात रिकार्ड नहीं होगी... (व्यवधान)..माननीय नये सदस्यों से भी मेरा अनुरोध है कि इस तरह से आप स्वयं का और सदन का समय जाया न करें. **(भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के अनेक माननीय सदस्यों के गर्भगृह में तालियाँ बजाने पर)** कृपया यहाँ पर तालियाँ भी न बजाएँ. मेरा माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे सदन की गरिमा बरकरार रखें. यह प्रदेश का सर्वोच्च सदन है. इसकी मर्यादाएँ बनाए रखना आप सभी का दायित्व है. यहाँ चर्चाएँ करना आते हैं, जनता की समस्याएँ उठाने के लिए आते हैं. कृपा करके अपने स्थान पर बैठें और वरिष्ठ सदस्य, माननीय प्रतिपक्ष के नेता जी सहित, सदन को परंपरा और नियमों से चलने दें...(व्यवधान)..

श्री बाबूलाल गौर-- सी बी आई की इनक्वायरी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी. 14 रिट पिटीशन्स रोक दी, आपकी रिट पिटीशन में कोई दम नहीं है...(व्यवधान)... हाईकोर्ट के ऊपर कोई नहीं है..(व्यवधान)..

श्री शिवराज सिंह चौहान-- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी फिर प्रार्थना है कि मैं इनके आरोपों का सिलसिलेवार जवाब देना चाहता हूँ इसलिए मेरी आप से प्रार्थना है कि आप प्रतिपक्ष के सदस्यों को शांति से बिठाएं...(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय-- विधान सभा की कार्यवाही पाँच मिनट के लिए स्थगित.

(11.35 बजे विधान सभा की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित की गई)

11:52 बजे विधान सभा पुन: समवेत हुई.

अध्यक्ष महोदय (डॉ. सीतासरन शर्मा) पीठासीन हुये.

अध्यक्ष महोदय—चर्चा जारी रहेगी.

मुख्यमंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)—माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यही निवेदन कर रहा था कि पुरानी सरकार के समय जो गड़बड़ियां की जाती थीं (व्यवधान)

नेता प्रतिपक्ष (श्री सत्यदेव कटारे)—अध्यक्ष महोदय, हमारी पूरी साफ मांग है हमने कई बार निवेदन किया है कि जो आरोप मुख्यमंत्रीजी ने लगाये हैं और जो आरोप हमने उन पर लगाये हैं दोनों... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय—आप सुनेंगे नहीं तो आपकी मांगें कैसे पूरी होगी. आप जो मांग रख रहे हैं वह सुनेंगे नहीं...(व्यवधान)

श्री सत्यदेव कटारे—अगर वे सीबीआई जांच की घोषणा कर देंगे तो विपक्ष पूरा भाषण सुनेगा.. (व्यवधान)

श्री बाबूलाल गौर—आपकी सीबीआई जांच की मांग को हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है.. (व्यवधान)

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यगण गर्भगृह में आ गये एवं नारेबाजी करने लगे)

श्री शिवराज सिंह चौहान—माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है कि मैं बिन्दुवार हर एक प्रश्न का उत्तर देना चाहता हूं. पहले नेता प्रतिपक्ष और प्रतिपक्ष के मित्र मेरे पूरे भाषण को सुनें उसके बाद उन्हें कोई आपत्ति है तो बाद में कहें लेकिन माननीय अध्यक्ष महोदय यह तो लोकतंत्र की हत्या की जा रही है, एक मुख्यमंत्री को बोलने से रोका जा रहा है, क्या सदन के नेता को इस सदन में बोलने नहीं दिया जायेगा. (व्यवधान).

श्री सत्यदेव कटारे—अगर सीबीआई को घोषणा नहीं करोगे तो नहीं बोल पाओगे (व्यवधान)

श्री शिवराज सिंह चौहान—माननीय अध्यक्ष महोदय, क्या कीचड़ उछालकर दूसरे की आवाज दबाने की कोशिश की जायेगी. क्या निराधार आरोपों का धुंआ उड़ाकर किसी की प्रतिमा खंडित करने की कोशिश की जायेगी. (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष, यह कैसा लोकतंत्र हैं? प्रतिपक्ष मनमानी पर उतारू है, सच सामने नहीं आने देना चाहता है. (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है मेरा भाषण निर्विघ्न रुप से संपन्न करायें. जो भी आरोप लगाये गये हैं मैं उनका जवाब देना चाहता हूँ. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय—कृपया अपने स्थान पर जायें. माननीय सदस्यों से मेरा आग्रह है, जैसा माननीय प्रतिपक्ष के नेता जी ने भी कहा वे दो प्रश्नों के उत्तर चाहते हैं. सदन के नेता जी ने कहा कि दो प्रश्न के ही नहीं वे सारे प्रश्नों के उत्तर देंगे आप कृपा करके बात सुनें उसके बाद में यदि कोई प्रश्न अनुत्तरित रह जाये तो फिर आप बराबर यह बात कहें कि यह प्रश्न अनुत्तरित रह गया है पर यह बिलकुल अनुचित है कि आप अपना विषय उठा दें और उसके बाद सदन के नेता को ही सदन में नहीं बोलने दें.

श्री सत्यदेव कटारे—अस्सी साल के बुजुर्ग पर आपने आरोप लगा दिये उसके जीवन में (व्यवधान)...निष्कलंक आदमी है, उस पर आपने आरोप लगा दिये आपको (XX) नहीं आयी...(व्यवधान) आप दोनों बिन्दुओं की जांच करवाइये..(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय--यह बड़ा गंभीर विषय है. यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिये उचित नहीं है. कृपया अपने स्थान पर जायें. ताली न बजायें, माननीय नये सदस्य कृपया ताली नहीं बजायें, कुछ तो मर्यादा रखो.. (व्यवधान) माननीय सचिन यादव जी कृपा करके ताली नहीं बजायें. सदन की इतनी तो मर्यादा रखें. (व्यवधान) आप बात नहीं सुनेंगे तो आपकी चर्चा का उत्तर कैसे आयेगा (व्यवधान)

श्री बाबूलाल गौर—आपकी सीबीआई की रिक्वेस्ट को हाई कोर्ट ने निरस्त कर दिया है (व्यवधान)14 रिट पिटीशन खारिज कर दी हैं (व्यवधान)

श्री शिवराज सिंह चौहान—माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है मेरा सारा उत्तर सुना जाये, मेरी बात तो पूरी सुन लें. मेरी बात निर्विघ्न रुप से सुनी जाये. मुझे बोलने का अवसर दिया जाये. मैं सारे तथ्य सदन के सामने लाना चाहता हूँ. (व्यवधान) मेरी बात तो पूरी सुन ले. माननीय अध्यक्ष महोदय यह (XX) चलेगी क्या ? यह लोकतंत्र है या इनकी तानाशाही चलेगी. माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इस पर आपत्ति प्रकट करता हूँ. सरकार पर आरोप लगाकर, सदन के नेता पर और हमारे मंत्रियों पर आरोप लगाकर हमारी बात नहीं सुनी जा रही है, लोकतंत्र का गला घोंटने का खेल कांग्रेस के द्वारा किया जा रहा है. मैं आपसे अपील करता हूँ मुझे अपना भाषण निर्विघ्न पूरा करने दिया जाये. मैं बोलना चाहता हूँ, सारे तथ्य सामने रखना चाहता हूँ, इसके बाद कुछ कहना है तो आप बोलें, आपके बोलने पर किसने रोक लगाई है, लेकिन यहां बोलना मेरा अधिकार है, माननीय अध्यक्ष महोदय,उठाये गये मुद्दों का जवाब देना मेरा अधिकार है और यह अधिकार मैं लेकर रहूंगा, मैं जवाब दूंगा..

(व्यवधान)

आप थोड़ा शांत हो जाईये, मेरे भाषण को सुन लीजिये। उसके बाद बताऊंगा कि क्या कर रहा हूं, क्या नहीं कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, यह अभूतपूर्व स्थिति है कि सदन के नेता को सदन में बोलने से रोका जा रहा है। जब उनके चेहरे से नकाब उतर रहे हैं , तो काले कपड़े पहनकर लोकतंत्र का गला घोटने का का

काम कर रहे हैं। ...(व्यवधान).... ये कपड़े पहनकर नहीं आये हैं। इनकी अन्तर्आत्मा और दिल सब काला है। ये सच्चाई सामने आने नहीं देना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय:- सभी माननीय सदस्यों को लोकतंत्र में बोलने का अधिकार है, सदन के सदस्य हैं, उनको सभी को बोलने का अधिकार है। अपनी बात रखने का अधिकार है, प्रतिपक्ष के नेता को और सदन के नेता को को सबसे प्रथम अधिकार प्राप्त हुआ। परन्तु जो बोलते हैं उनको सुनने के कर्तव्य का निर्वहन भी करना चाहिये । ये बिल्कुल अनुचित है कि आप बोलने के अधिकार का उपयोग करते हैं और सुनने के कर्तव्य का उपयोग नहीं करते हैं। इस तरह से सदन की कार्यवाही को बाधित करना उचित नहीं है। ... (व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय:- आप लोगों को जो भी बोलना है अपनी सीट पर जाकर बोलिये उत्तर देंगे आपकी बात का। ... (व्यवधान)..

श्री शिवराज सिंह चौहान:- अध्यक्ष महोदय, मैं बोलना चाहता हूं,यहां बोलना मेरा अधिकार है। मैं अपना अधिकार आपसे मांग रहा हूं, आप प्रतिपक्ष को शांत कराईये, ताकि इनके सारे उत्तर का जवाब में दे सकूं। यहां बोलना मेरा अधिकार है। मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि इनको शांत करायें। ताकि मैं इनके हर एक प्रश्न का जवाब दे सकूं।

अध्यक्ष महोदय:- कृपया माननीय सदस्य अपने स्थान पर बैठें आपके सब प्रश्नों का जवाब आयेगा। आपने जो-जो भी विषय उठाये हैं, स्थगन प्रस्ताव के उत्तर में उनके उत्तर में सारा जवाब आयेगा। ... (व्यवधान)...

आपसे विनम्र अनुरोध कि अपने स्थान पर बैठें. आप अपने वहां से माईक से बोलिये. यहां की कोई बात रिकार्ड में नहीं आती. वेल की कोई बात रिकार्ड में नहीं आती. आप कृपया अपने स्थान पर जाएं और सदन के नेता जी को उनका वक्तव्य पूरा करने दें. सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित करना उचित नहीं है. आप कृपया अपने स्थान पर बैठें. (..व्यवधान..) माननीय तिवारी जी, आप सांसद रहे हैं. आप वरिष्ठ सदस्य हैं. यह बात उचित नहीं है कि आप यहां वेल में आकर इतना व्यवधान उत्पन्न करें. कृपया अपने स्थान पर जाएं और अपने स्थान पर जाकर बैठें. कृपया अपने स्थान पर जाएं. आप जाईये सब अपने स्थान पर. जो विषय उठाना है वहां से उठाईये. (..व्यवधान..) आप तो बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं. आप सांसद रहे हैं. आप कृपा करके अपने स्थान पर जाएं और वहां से अपनी बात कहें. यह परंपराएं ठीक नहीं हैं. यह बात ठीक नहीं है. यह ठीक बात नहीं है. वेल में कही गयी कोई भी बात रिकार्ड में नहीं आएगी. आप कृपया अपने स्थान पर बैठें.

(गर्भगृह में कांग्रेस पक्ष के सदस्यों द्वारा नारेबाजी लगातार की जाती रही) (..व्यवधान..)

मैंने माननीय प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों से, वरिष्ठ सदस्यों ने माननीय प्रतिपक्ष के नेता जी से अनेक बार अनुरोध किया है किन्तु वे सदन की कार्यवाही को चलने में बार-बार व्यवधान डाल रहे हैं. अपने द्वारा लाये गये स्थगन प्रस्ताव पर वह चर्चा आगे नहीं बढ़ने दे रहे हैं और न ही उसको पूर्णता की ओर जाने दे रहे हैं. मैं सदन की कार्यवाही अपराह्न 2 बजकर 30 मिनट तक के लिये स्थगित करता हूं.

12 बजकर 2 मिनट पर विधान सभा की कार्यवाही 2.30 बजे तक के लिये स्थगित की गई.

(12.02 बजे से 2.30 बजे तक अंतराल)

2.34 बजे विधान सभा पुनः समवेत हुई

{अध्यक्ष महोदय (डॉ.सीतासरन शर्मा) पीठासीन हुए}

अध्यक्ष महोदयः- स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा जारी रहेगी.

श्री शिवराज सिंह चौहान—माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सदन के माननीय सदस्यों से निवेदन करना चाहता हूं. (व्यवधान)

श्री सत्यदेव कटारे—माननीय अध्यक्ष महोदय, हम आपसे लगातार प्रार्थना कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री जी आपने आरोप लगाये, आपने 70-80 साल के बुजुर्ग पर आरोप लगाये हैं या तो उनसे आप माफी मांगो. आप व्यापम की जांच को सीबीआई को सौंपो. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, सीबीआई आपकी फिर आप क्यों घबरा रहे हो.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय—कृपया आप लोग अपने अपने स्थान पर बैठ जायें. कृपया कोई भी गर्भ-गृह में न आयें. आप लोगों को जो कुछ भी बोलना है अपने स्थान से बोलें. माननीय तिवारी जी, माननीय पटेल जी आपका तो स्थगन प्रस्ताव है, आपको तो उत्तर सुनना ही चाहिये. कृपया आप लोग अपने अपने स्थान पर बैठें.

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य अपनी बात कहते हुए गर्भ गृह में आये)

अध्यक्ष महोदय--कृपया अपने स्थान पर बैठें. (व्यवधान) कृपया व्यवधान नहीं डालें आप. माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि कोई गर्भगृह में नहीं आये. कोई भी माननीय सदस्य गर्भगृह में नहीं आयेगा, यह अच्छी परंपरा नहीं है, कृपया अपने स्थान से जो कुछ कहना हो, वह आप कहें. कल दिन भर माननीय सदस्यों की बात सुनी गई. प्रतिपक्ष के नेता जी को भी ध्यानपूर्वक सुना गया, सभी सदस्यों को मौका दिया गया इसके बाद भी आप उत्तर नहीं सुनना चाहते, यह बात उचित नहीं है. कृपा करके अपने अपने स्थान पर बैठें (व्यवधान).

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यों द्वारा व्यवधान के बीच गर्भगृह से अपनी बात कही जाती रही)

अध्यक्ष महोदय---यह सदन की मर्यादा है कि जब प्रतिपक्ष के नेता या सदन के नेता अपने स्थान पर हों तो बैठकर उनको सुनना चाहिये. अब माननीय सदस्य अपने स्थान से जाकर बोलें, यहां वेल में आकर नहीं बोलें. कृपा करके आप यह परंपरायें नहीं बढ़ायें (व्यवधान).

श्री सत्यदेव कटारे--व्यापम की जांच सी.बी.आई.को दी जाये, यह आप आसंदी से व्यवस्था कर दें अध्यक्ष महोदय..(व्यवधान).

अध्यक्ष महोदय-- माननीय प्रतिपक्ष के नेता जी और माननीय सभी सदस्यों से मेरा आग्रह है कि एक तो अपने स्थान पर जायें और दूसरी बात यह है कि सदन के नेता जी का वक्तव्य पूरा होने के बाद जो कुछ भी बात आपको कहना है, वह आप कुछ क्षणों में कह सकते हैं किन्तु जब तक यह वक्तव्य नहीं हो जाता, तब तक स्थगन की कार्यवाही पूरी नहीं हो सकती, इसलिये आपसे विनम्र अनुरोध है, आपके अनुरोध पर ही स्थगन प्रस्ताव स्वीकार किया गया और अब आप उसकी चर्चा पूरी नहीं होने देना चाहते, यह बड़ा ही आश्चर्यजनक है. (व्यवधान) आप कृपया अपने स्थान पर बैठ जायें (व्यवधान).

श्री सत्यदेव कटारे---अध्यक्ष महोदय, हम सी.बी.आई. जांच की मांग कर रहे हैं (व्यवधान).

अध्यक्ष महोदय--- सदन के नेता का भाषण और उसके बाद प्रतिपक्ष के नेता का भाषण होने दें किन्तु बीच में क्यों बोल रहे हैं ? (व्यवधान) आप बाद में बोलिये सुनने के बाद. कृपा करके अपने स्थान पर जायें (व्यवधान).

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यों द्वारा व्यवधान के बीच गर्भगृह से अपनी बात कही जाती रही)

श्री रामेश्वर शर्मा--माननीय कांग्रेस के सदस्यों से निवेदन है कि अपने स्थान पर बैठकर के हमारे मुख्यमंत्री जी की बात सुनें, कांग्रेस का अपना स्वभाव है झूठ बोलो जोर से बोलो, हल्ला मचाओ, अपना लाभ लो घर जाओ. कांग्रेसी अपनी हरकत से बाज आयें. कांग्रेसी हमेशा एक ही लाइन पर हैं (व्यवधान).

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यों द्वारा व्यवधान के बीच गर्भगृह से अपनी बात कही जाती रही)

अध्यक्ष महोदय--कृपा करके अपने स्थान पर जायें. बोलिये आप बोलिये, बोलिये विश्वास जी..

श्री विश्वास सारंग--माननीय अध्यक्ष महोदय, यह विपक्ष के सदस्य सदन के नेता जी का भाषण सुनने नहीं दे रहे हैं, यह हमारे विशेषाधिकार का हनन है माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे विशेषाधिकार का हनन है. मैं यहां सदन में सदस्य हूं, यह मेरा अधिकार है कि मैं सदन के नेता का भाषण सुनूं इसलिये माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं नोटिस दूंगा यह मेरे विशेषाधिकार का हनन् हो रहा है.

..(व्यवधान)..

राज्यमंत्री, सामान्य प्रशासन (श्री लाल सिंह आर्य) -- अगर सदन के नेता नहीं बोल पायेंगे, तो आप लोग भी नहीं बोल पाओगे.

..(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय -- कृपया अपने स्थान पर बैठें. आप जैसे शांति से खड़े हैं, ऐसे शांति से बैठ जायें, ताकि सदन की कार्यवाही आगे चल सके.

..(व्यवधान)..

डॉ. नरोत्तम मिश्रा -- अध्यक्ष जी, अगली बार नेता प्रतिपक्ष को हम बोलने नहीं देंगे, यह हम आपको बता रहे हैं. अब यह नेता प्रतिपक्ष हाउस में बोलकर बता दें. अगली बार आप बोलकर बता दें, हम आपको मान जायेंगे. नेता प्रतिपक्ष जी अगली बार बोलकर दिखा दें, तो हम मान जायेंगे. अध्यक्ष महोदय, यह लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है. यह प्रक्रिया गलत है. यह जो प्रतिपक्ष के द्वारा कृत्य किया जा रहा है, अगर इनको ऐसे ही हंगामा मचाना था, अगर चर्चा सुनना नहीं थी तो इन्होंने स्थगन प्रस्ताव क्यों रखा. स्थगन रखने की क्या जरुरत थी. अगर स्थगन रखा था, तो यह इन्होंने अपनी बातों में जो

कुछ कह दिया, यह आरोप लगाना आपका अधिकार है, तो हमारा भी अधिकार है. हमारा भी अधिकार है आरोप लगाना. हम आरोप क्या लगायें, क्या नहीं लगायें, यह हम आपसे पूछकर लगायेंगे क्या. हम आपसे पूछकर बोलेंगे क्या. अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही निन्दनीय कृत्य है. हम इस कृत्य की निन्दा करते हैं. मुख्यमंत्री जी, हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि अगर विपक्ष आपको अपना भाषण नहीं देने दे रहा है, तो मुख्यमंत्री जी अपना भाषण टेबल करें, जिससे प्रदेश की जनता कम से कम मुख्यमंत्री जी के भाषण को सुन सके, मीडिया के माध्यम से ,पत्रकारों के माध्यम से प्रदेश की जनता कांग्रेस के चेहरे पर पुती हुई कालिख को देख सके. .(व्यवधान).. अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करुंगा कि मुख्यमंत्री जी को अनुमति देने का कष्ट करें.

..(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय -- मेरा आप लोगों से अनुरोध है कि सदन को शांति से चलने दें. जो प्रस्ताव आपने रखा था, उसी प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है. विषय से कोई भी बाहर नहीं है.

श्री सत्यदेव कटारे -- ये विषय से बाहर भागे. मुख्यमंत्री जी विषय से बाहर भागे.

अध्यक्ष महोदय -- नेता प्रतिपक्ष जी, यह बात ठीक नहीं है. ..(व्यवधान).. आप लोग दिन भर बोलते रहे, किसी ने भी कुछ नहीं बोला. पर अब ये इस तरह से कार्यवाहियां नहीं चल सकेंगी. यदि यही आपका रवैया रहा,तो यह बिलकुल अनुचित है. आपको सदन की मर्यादाएं रखना चाहिये. आप पूरी बात सुनें बिना कैसे मांग कर सकते हैं. आपने अपनी मांग रख दी. कोई भी बात सुने बिना आप किसी बात के लिये कैसे मांग कर सकते हैं. आप पूरी चर्चा तो सुन लीजिये. ..(व्यवधान).. आप पूरी बहस तो सुन लीजिये. यह सर्वथा अनुचित है. मेरा सभी माननीय प्रतिपक्ष के सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने स्थान पर बैठें और चर्चा को चलने दें.

..(व्यवधान)..

श्री लाल सिंह आर्य -- प्रतिपक्ष चर्चा से भाग रहा है.

..(व्यवधान)..

डॉ. नरोत्तम मिश्रा -- विपक्ष के सदस्यों, आपकी पार्टी का एक भी वरिष्ठ सदस्य यहां नहीं आया सदन में, क्यों नहीं आया मालूम है. अध्यक्ष महोदय, इनको मालूम है कि मुख्यमंत्री जी बहुत लोकप्रिय हैं, अगली बार यहां आने नहीं देंगे आप लोगों को अंदर. फिर अगली बार नहीं आ पाओगे. एक सदस्य जरा जीतकर आ जाय, तो मैं मान जाऊंगा. एक सदस्य जीतकर आ जायेगा,तो मैं मान जाऊंगा. शिवराज सिंह जी पर पहले जिन जिन सदस्यों ने आरोप लगाया है, एक भी वापस नहीं आया. ये डम्पर पर बैठकर जो लोग आये थे, एक भी यहां नहीं है. जो लोग डम्पर पर बैठकर आये थे, एक यहां पर नहीं जीतकर आया है. एक भी सिंगल हाउस में नहीं है. प्रतिपक्ष के जिन सदस्यों ने आरोप लगाये थे वापस सदन में एक भी लौटकर नहीं आया है .

..(व्यवधान)..

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यों द्वारा आसंदी की ओर बढ़ने पर.)

अध्यक्ष महोदय -- कृपया अपने स्थान पर बैठें और आगे नहीं बढ़ें.

..(व्यवधान)..

डॉ. नरोत्तम मिश्रा -- अध्यक्ष जी, मेरा आपसे निवेदन है कि आप मुख्यमंत्री जी को अनुमति दें कि वे अपना भाषण टेबल करें, जिससे पूरे प्रदेश की जनता को पता चल सके कि कांग्रेस के चेहरे पर कालिख कैसी पुती हुई है. झूठे आरोप कांग्रेस के नेता किस तरह से मुख्यमंत्री जी पर लगाते हैं, इसलिये मुख्यमंत्री जी को अनुमति दें कि मुख्यमंत्री जी अपना भाषण टेबल कर सकें.

....व्यवधान...

अध्यक्ष महोदय -- माननीय मुख्यमंत्री जी कृपया अपनी बात कहें.

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदस्य गर्भ गृह में नारे लगाते रहे)

श्री शिवराज सिंह चौहान -- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी पूरी बात इस सदन में तर्कों के साथ रखना चाहता था, तथ्यों के साथ रखना चाहता था. मैंने भरसक कोशिश की कि मैं इनके आरोपों का उत्तर दूं. परीक्षा में अगर कोई गलती हो गई, गड़बड़ी हुई तो दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की गई और फिर इस व्यवस्था को कैसे पूरी तरह से ठीक किया जाये उसके अभी जो उपाय किये हैं वह और आगे जो हम करने वाले थे उन पर मैं विस्तार से चर्चा करना चाहता था लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज सदन में

लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है, परम्पराओं की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं. संविधान को तार तार किया जा रहा है.

....व्यवधान...

अध्यक्ष महोदय-- कृपया अपने अपने स्थान पर जायें और नारे नहीं लगायें.

श्री शिवराज सिंह चौहान-- माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता को सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है, और इसलिये मैं भारी मन से आज यह फैसला कर रहा हूं कि मैं जो वक्तव्य बोलकर के देना चाहता था वह रिकार्ड में आये और लोगों की जानकारी में आये कि मुख्यमंत्री ने अपनी बात पूरी की और इसलिये दुखी मन से विपक्ष के साथियों द्वारा शौर मचाने के कारण , सच्चाई सामने आने से यह डर रहे हैं बोलने नहीं दे रहे हैं इस कारण मैं अपने लिखित वक्तव्य को सदन के सभा पटल पर रखने की अनुमति चाहता हूं. (मेजों की थपथपाहट) मेरे लिखित वक्तव्य को सदन के सभा पटल पर रखने की अनुमति प्रदान करें.

अध्यक्ष महोदय -- मुख्यमंत्री जी का वक्तव्य सदन के पटल पर रखा हुआ माना जायेगा.

अध्यक्ष महोदय - विधानसभा की कार्यवाही शुक्रवार दिनाँक 4 जुलाई , 2014 के प्रात: 10.30 बजे तक के लिए स्थगित.

अपराह्न 2.47 बजे विधान सभा की कार्यवाही शुक्रवार, दिनाँक 4 जुलाई, 2014(13,आषाढ़ शक संवत् 1936) के प्रात: 10.30 बजे तक के लिए स्थगित की गई.

भगवानदेव ईसरानी
प्रमुख सचिव,
मध्यप्रदेश विधानसभा

भोपाल,
दिनांक : 3 जुलाई,2014.

.....

(X X X) : आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया.

(X X) : आदेशानुसार विलोपित.